आज होगा इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव

कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में होगा कार्यक्रम

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 11 मई. मप्र ने उद्योग, अधोसंरचना, नीति सुधार, लॉजिस्टिक्स, स्किल डेवलपमेंट और निवेश सुविधा के क्षेत्र में जिस तेज गति से कार्य किया है, उसने दुनिया की बड़ी कंपनियों का ध्यान राज्य की ओर आकर्षित किया है.

फ्रांस की प्रतिष्ठित कंपनियों और उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की भोपाल में मौजूदगी इसी बढ़ते विश्वास का संकेत मानी जा रही है.

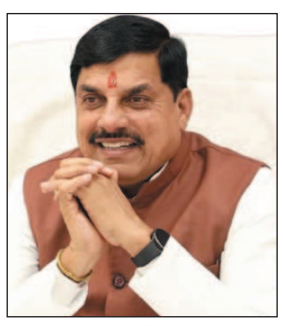

भोपाल में 12 मई को होने जा रहे इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव ऐसे समय में हो रहा है, जब मध्यप्रदेश वैश्विक निवेश मानचित्र पर लगातार मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है.

कुशाभाऊ अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में यह आयोजन केवल एक निवेश बैठक नहीं, बल्कि उस बदलती औद्योगिक सोच और वैश्विक संवाद का विस्तार है. इसमें मध्यप्रदेश अब निवेश प्राप्त करने वाले राज्य की भूमिका से आगे बढ़कर अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक साझेदारियों का सक्रिय केंद्र बन रहा है. इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और मप्र शासन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में फ्रांस के राजदूत, फ्रांसीसी उद्योग जगत के प्रतिनिधि, वैश्विक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी, मप्र शासन के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और प्रदेश के उद्योग प्रतिनिधि शामिल होंगे. कॉन्क्लेव से मध्यप्रदेश और फ्रांस के बीच दीर्घकालिक औद्योगिक, तकनीकी और संस्थागत साझेदारी होगी. इससे राज्य सरकार फ्रांसीसी कंपनियों को मप्र के औद्योगिक वातावरण, निवेश संभावनाओं, नीति समर्थन और तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक इको-सिस्टम से अवगत कराएगी. कार्यक्रम में एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल एवं ईवी, कंज्यूमर गुड्स एवं रिटेल, डिफेंस एवं एविएशन, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, फार्मा एवं मेडिकल डिवाइसेस, रिन्यूएबल एनर्जी, टेक्सटाइल, पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा.

> कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में 12 मई को आयोजित होने वाले मुख्य सत्र में मप्र की औद्योगिक नीतियों, निवेश प्रोत्साहन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और निवेश सुविधा सिस्टम पर विस्तृत प्रस्तुति दी जाएगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम के मुख्य सत्र को संबोधित करेंगे.प्रदेश के लगभग 60 से 80 उद्योग प्रतिनिधियों की भागीदारी भी कार्यक्रम में प्रस्तावित है. इनके और फ्रांसीसी कंपनियों के बीच बी-2-बी और बी-2-जी बैठकें आयोजित होंगी, जिनमें संभावित निवेश, संयुक्त उपक्रम, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा होगी.

फर्जी एससी प्रमाण पत्र के मामले में कार्रवाई की मांग

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 मई. मध्यप्रदेश में फर्जी अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाने के मामलों को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं. पार्टी ने सतना जिले में कथित रूप से फर्जी एससी प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में तत्कालीन एसडीएम के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की है.

मध्यप्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) और सामान्य प्रशासन विभाग को शिकायत सौंपकर पूर्व एसडीएम राजेश शाही के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वंदना बागरी के नाम से जारी जाति प्रमाण पत्र वर्ष 2021 में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बनाए जाने के कारण निरस्त कर दिया गया था.

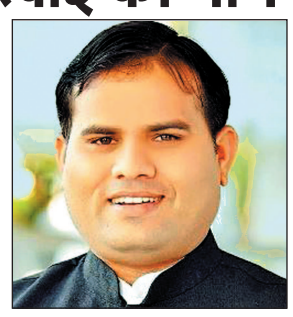

एक नजर में

फॉयरिंग मामले में निष्पक्ष जांच की मांग

आगर मालवा. जिले के सुसनेर थाना क्षेत्र के ग्राम मगीशपुर में गत पांच मई को हुई फायरिंग की घटना में नामजद आरोपियों के परिजनों ने आज पुलिस थाने पहुंचकर निष्पक्ष जांच की मांग की. ग्रामीणों ने सुसनेर थाना प्रभारी अक्षयसिंह बैस को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि मामले में कुछ निर्दोष लोगों को फर्जी तरीके से आरोपी बनाया गया है. पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें ईश्वरसिंह और हेमराज भी शामिल हैं. आरोपियों के परिजनों का कहना है कि दोनों का घटना से कोई संबंध नहीं है. मांगूसिंह ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि किसी प्रकार के दबाव में आकर बेगुनाह लोगों को आरोपी नहीं बनाया जाना चाहिए.

21 किलो गांजे के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

मैहर. जिले की पुलिस ने 21 किलोग्राम गांजा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार रविवार देर रात में रामनगर-भदनपुर मार्ग पर कार से गांजे की खेप ले जा रहे अनिल द्विवेदी (37) और विष्णुकांत पांडे (27) को गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 21 किलोग्राम गांजा बरामद किया है. दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया.

रतलाम में पारा 45 डिग्री

मध्यप्रदेश में मौसम कर रहा है डबल अटैक

उमस के साथ गर्मी को भी झेलेंगे लोग

मध्यप्रदेश में गर्मी का सितम

भोपाल, 11 मई. प्रदेश में मौसम का मिजाज इन दिनों दो अलग तस्वीरें दिखा रहा है. पूर्वी और दक्षिणी जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी है, जबकि मालवा और मध्य हिस्सों में भीषण गर्मी लोगों को झुलसा रही है.

मौसम विभाग के अनुसार दो टर्फ और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय होने के कारण अगले 24 घंटे तक कई जिलों में तेज हवाएं, गरज-चमक और हल्की बारिश का असर बना रहेगा. वहीं दूसरी तरफ तापमान लगातार बढ़ने से कई शहरों में लू जैसे हालात बनने लगे हैं. मौसम केंद्र भोपाल ने बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है. सोमवार को भी भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग के कई जिलों में बादल छाए रहे और बूंदाबांदी दर्ज की गई. मौसम विभाग ने 12 मई से प्रदेश में लू चलने की चेतावनी दी है. खासतौर पर इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में गर्म हवाओं का असर अधिक रहने की संभावना है. दूसरी ओर मालवा-निमाड़ क्षेत्र में गर्मी लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है. रतलाम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. शाजापुर में 44 डिग्री, धार में 42.4 डिग्री, खंडवा में 42.1 डिग्री और नर्मदापुरम में 42 डिग्री तापमान

इंदौर में 43 डिग्री पहुंचा पारा

इंदौर में आज गर्मी ने इस साल का रिकॉर्ड तोड दिया और तापमान 43.2 डिग्री तक पहुंच गया। आज दिन का पारा सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा। शहर में 10 से लेकर 18 किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से लू चली. रात का तापमान भी सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा 24.7 दर्ज किया गया. शहर में गर्मी का कहर बढ़ता जा रहा है और आज शाम 6 बजे पारा 40.6 डिग्री दर्ज हुआ. दिन में तापमान ने लू लगने जैसी गर्म हवाओं के थपेडे लग रहे थे. दिन में तापमान ने इस साल का रिकॉर्ड तोड दिया है और 43.2 डिग्री पार पहुंचा था. इसके पहले इस साल अप्रैल के शुरू में पारा 43 डिग्री तक पहुंचा था।

सिंहस्थ पूर्व जल संरक्षण क्रांति, वर्षा जल संचयन तंत्र हो रहे स्थापित

- संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने उज्जैन में लगाया था जल स्तंभ
- सीएम डॉ. मोहन यादव ने आगे बढ़ाया मिशन

नवभारत न्यूज

उज्जैन. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने महाकाल मंदिर में जल स्तंभ स्थापित कर पूरी दुनिया को पानी बचाने का संदेश दिया था. अब उसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेशभर में भूजल स्तर बढ़ाने के प्रयत्न कर रहे हैं. महाकाल की नगरी उज्जैन में वर्षा की हर बूंद को सहेजने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की जा रही है.

उज्जैन नगर निगम रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम(वर्षा जल संचयन तंत्र) लगाए जाने का नवाचार कर रहा है इस अभियान के तहत अब तक 600 मकान, दुकान, होटल ,होम स्टे और सरकारी भवनों में यह सिस्टम लग चुके है, शुरुआती चरण में 50 हजार घरों तक इसे पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है. सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन को जल से समृद्ध बनाने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है.

जल का स्तर नीचे जा रहा: नवभारत से चर्चा में नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि धरती के भीतर पानी का स्तर लगातार नीचे जा रहा है. यदि समय रहते वर्षा के पानी को जमीन में नहीं उतारा गया तो भविष्य में पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो सकता है. उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2028 में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के उज्जैन आने की संभावना है। ऐसे में पानी की मांग कई गुना बढ़ेगी. यही कारण है कि अभी से धरती को पानी से समृद्ध बनाने का अभियान शुरू किया गया है इसे पेड़ पौधे पर्यावरण का भी संरक्षण होगा.

311 एप के माध्यम से लगेगा सिस्टम : आयुक्त ने बताया कि नगर निगम के 311 एप अथवा कॉल सेंटर के माध्यम से कोई भी नागरिक प्लंबर को अपने घर बुलाकर यह प्रणाली लगवा सकता है. नगर निगम तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध करा रहा है. साथ ही सामाजिक दायित्व निधि के माध्यम से विशेष फिल्टर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं.

8 से 12 हजार के बीच खर्च: निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के अनुसार एक हजार से दो हजार वर्गफीट क्षेत्रफल वाले मकान में यह व्यवस्था सामान्यत 8 हजार से 12 हजार रुपये के बीच स्थापित हो जाती है. यह खर्च हाइट के हिसाब से थोड़ा अधिक लग सकता है, यदि भविष्य में पानी का संकट गहराया तो इससे कहीं अधिक राशि खर्च करनी पड़ सकती है. इसलिए इसे खर्च नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए निवेश माना जाना चाहिए.

महाकाल मंदिर में लगा सिस्टम: रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम महाकाल मंदिर, महाकाल अन्न क्षेत्र, कई सरकारी कार्यालयों तथा रुद्रसागर क्षेत्र के आसपास इस तकनीक को अपनाया गया है। रुद्रसागर के आसपास जिन भवनों में यह व्यवस्था लगाई गई, वहां बाद में जलस्तर में वृद्धि देखी गई। अब माहेश्वरी समाज ने भी अपनी धर्मशाला में यह प्रणाली लगाने के लिए नगर निगम से तकनीकी जानकारी प्राप्त की है।

जल स्रोतों को संरचना जिम्मेदारी: उज्जैन के सप्तसागर, तालाब, कुएं, बावड़ियां और अन्य पारंपरिक जल स्रोतों को जीवित रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. वर्षा जल संचयन से न केवल भूजल स्तर बढ़ेगा, बल्कि प्राकृतिक जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया भी मजबूत होगी. इससे स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पानी शहरवासियों को लंबे समय तक उपलब्ध रहेगा.

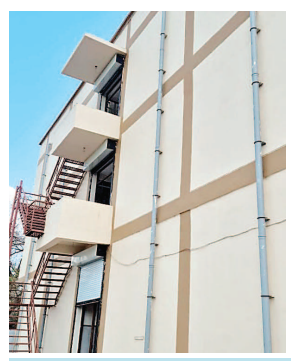

इंदौर में जल संकट की दस्तक

नगर निगम आयुक्त ने कहा कि पड़ोसी शहर इंदौर में कई स्थानों पर बोरवेल फेल होने लगे हैं और जल संकट की स्थिति बन रही है. उज्जैन ने समय रहते इस खतरे को समझ लिया है और शहरवासियों से अपील की जा रही है कि वे अपने घरों में वर्षा जल संचयन प्रणाली अवश्य लगवाएं.

महिला से छेड़छाड़ के आरोपी को दो साल का सश्रम कारावास

- अश्लील टिप्पणी और हाथ पकड़ने के मामले में दोषी करार
- कोर्ट ने 500 रुपए जुर्माना भी लगाया

इंदौर. मल्हारगंज थाना क्षेत्र में महिला से छेड़छाड़ और अश्लील टिप्पणी के मामले में कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 2 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही आरोपी पर 500 रुपए का जुर्माना भी लगाया है. प्रभारी उपनिदेशक अभियोजन राजेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मिनी गुप्ता की अदालत ने एक प्रकरण में आरोपी केशव उर्फ केशु निवासी इंदौर को धारा 354 भादंसं के तहत दोषी मानते हुए सजा सुनाई. मामले में शासन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी स्वाति पारासर ने पैरवी की.

यह है मामला...

अभियोजन के अनुसार, 10 जुलाई 2022 की रात करीब 10 बजे फरियादी अपनी बहन के साथ किराना दुकान से सामान लेकर लौट रही थी. इसी दौरान आरोपी केशव पीछे पीछे आया और अश्लील टिप्पणियां करने लगा. विरोध करने पर आरोपी ने महिला का हाथ पकड़ लिया और अभद्र व्यवहार करते हुए धमकी दी. शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे. मामले में मल्हारगंज थाने में आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच की गई. विवेचना के बाद चालान पेश किया. सुनवाई के दौरान अभियोजन ने 7 साक्षियों के बयान कराए, जिनके आधार पर कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई.

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नई दिल्ली में की अमित शाह से मुलाकात

नई दिल्ली. मध्यप्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की. मुलाकात के दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर अमित शाह को बधाई दी.

पेज एक का शेष

सिंधिया के 'आर्थिक और ढांचागत मॉडल' की भूमिका

इसके तहत राज्य के ग्रामीण और जनजातीय बहुल इलाकों में शिक्षा और बुनियादी ढांचे के इस सीधे जुड़ाव ने ग्रामीण असम में भाजपा के पक्ष में एक मजबूत 'साइलेंट वोटर' वर्ग तैयार किया. इसके अलावा संचार मंत्री के हैसियत से सिंधिया की 'टेलीकॉम सैचुरेशन' नीति असम के ऊपरी और निचले हिस्सों के चाय बागानों तथा सुदूर जनजातीय क्षेत्रों में गेमचेंजर साबित हुई. पूर्वोत्तर में हजारों टावरों के माध्यम से निर्बाध नेटवर्क पहुंचाना केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं थी, बल्कि इसने सरकारी योजनाओं के सीधे लाभ को पारदर्शी बनाया. भ्रष्टाचार पर इस डिजिटल प्रहार ने सरकार के प्रति जनता के विश्वास को और गहरा किया और साथ ही तीव्र प्रशासनिक निगरानी ने असम के शहरी और शिक्षित युवाओं की आकांक्षाओं को पंख दिए. जानकार बता रहे हैं कि सिंधिया के सार्थक प्रयास के कारण ही स्थानीय बांस शिल्पकारों, हैंडलूम बुनकरों और मूल्यवान अगरवुड के उत्पादकों को विश्वस्तरीय निर्यात पोर्टल्स से जोड़कर असमिया अस्मिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को ताकत मिली. साथ ही इसने असमिया संस्कृति और स्थानीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक पहचान 'हाई-टेक असम' की छवि और गौरव को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के 'राष्ट्रवाद' के नैरेटिव से पूरी तरह जोड़ दिया. जिसके कारण भाजपाई रणनीतिकारों को बड़ी सफलता मिली.

प्रदेश में बंद आरटीओ के चेक पोस्ट पुन: प्रारंभ करने पर रोक

हाईकोर्ट के उक्त आदेश के खिलाफ ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कंग्रिडाइज्ड कंपनी व अन्य की तरफ से हाईकोर्ट में रिव्यू याचिका दायर की थी. याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी करते हुए अधिवक्ता राहुल दिवाकर ने हाईकोर्ट को बताया गया कि केन्द्र सरकार के दिशा-निर्देशानुसार प्रदेश में चेकपोस्ट बंद किये गये थे. देश में मध्य प्रदेश सहित सिर्फ 6 ऐसे राज्य है, जिसमें चेक पोसट संचालित हो रहे. केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार अन्य प्रदेश पहले ही चेक पोस्ट बंद कर दिये है.

कार्रवाई : अवैध लकड़ी का परिवहन करते दो ट्रैक्टर जप्त

सीधी, 11 मई. वन मण्डलाधिकारी सीधी के मार्गदर्शन एवं उप वन मण्डलाधिकारी सीधी के नेतृत्व में वन विभाग द्वारा अवैध लकड़ी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर जप्त किए गए.

कार्रवाई के दौरान दोनों वाहनों में आम एवं नीम की लकड़ी बिना टीपी (ट्रांजिट पास) के परिवहन करते हुए पाई गई. वन विभाग की टीम ने जांच के दौरान लकड़ी परिवहन संबंधी आवश्यक दस्तावेज एवं टीपी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर दोनों ट्रैक्टरों को जप्त कर लिया. विभाग द्वारा जप्तशुदा वाहनों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज कर लिया गया है तथा मामले की विवेचना की जा रही है.

टैलेंट हंट का फाइनल इंटरव्यू आज से

- भोपाल में आयोजित किए जाएंगे इंटरव्यू

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 मई. मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग द्वारा आयोजित 'टैलेंट हंट प्रोग्राम' के तहत चयनित प्रतिभागियों के फाइनल इंटरव्यू 12 और 13 मई को प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय, भोपाल में आयोजित किए जाएंगे.

पार्टी इस पहल के जरिए प्रदेशभर में अपने मीडिया और संचार तंत्र को मजबूत करने की तैयारी में जुटी है.

मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि दो दिवसीय प्रक्रिया के दौरान प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रवक्ता, रिसर्च कोऑर्डिनेटर तथा पब्लिसिटी कोऑर्डिनेटर पदों के लिए चयन किया जाएगा. इसके अलावा पूर्व में आयोजित साक्षात्कार के आधार पर जिला एवं संभागीय प्रवक्ताओं का चयन भी अंतिम रूप से किया जाएगा. उन्होंने बताया कि इंटरव्यू पैनल में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग द्वारा नियुक्त वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल रहेंगे.

> इनमें जोनल कोऑर्डिनेटर अनिल यादव, स्टेट कोऑर्डिनेटर अखिलेश प्रताप सिंह, मीडिया विभाग के कोऑर्डिनेटर अर्चित सिंह तथा टेक्निकल कोऑर्डिनेटर अर्श खान शामिल हैं. नायक ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया और संचार क्षेत्र में युवा, प्रतिभाशाली और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध नेतृत्व तैयार करना है, ताकि पार्टी की विचारधारा और संदेश को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाया जा सके.

विस्थापित चर्चा | सरकार आदिवासी जमीनों का अधिग्रहण बेहद कम कीमत पर कर रही : पटवारी

केन-बेतवा विस्थापन पर कांग्रेस करेगी आंदोलन

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 मई. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों और किसानों की समस्याओं को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है.

सोमवार को पन्ना जिले के विश्रामगंज और बालूपुर गांवों के दौरे के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावित परिवारों को न तो उचित मुआवजा दिया जा रहा है और न ही सम्मानजनक पुनर्वास की व्यवस्था की गई है.

प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात के बाद पटवारी ने कहा कि कांग्रेस उनके अधिकार, सम्मान और न्याय की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ेगी. उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी का संदेश लेकर प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे हैं, जो आदिवासियों, किसानों और कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं. पटवारी ने अधिकारियों से विस्थापित परिवारों की संख्या, वितरित मुआवजे और पुनर्वास योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली. उन्होंने मांग की कि परिवारों में रहने वाले वयस्क पुत्रों को अलग परिवार मानकर मुआवजा और पुनर्वास का लाभ दिया जाए. मुआवजा पैकेज पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार आवास के लिए मात्र एक लाख रुपये दे रही है, जबकि क्षेत्र में जमीन की कीमतें इतनी अधिक हैं कि इस राशि में छोटा भूखंड भी खरीदना संभव नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आदिवासी जमीनों का अधिग्रहण बेहद कम कीमत पर कर रही है, जबकि भूमि अधिग्रहण नीति में चार गुना मुआवजे का वादा किया गया था.

> किसानों की स्थिति पर चिंता जताते हुए पटवारी ने कहा कि प्रदेश के गेहूं उत्पादकों को 2,000 से 2,300 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर उपज बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रभावित परिवारों को न्यायपूर्ण मुआवजा और सम्मानजनक पुनर्वास नहीं मिला तो कांग्रेस प्रदेशव्यापी आंदोलन, चक्काजाम और सड़क अवरोध प्रदर्शन शुरू करेगी.

भ्रष्टाचार को लेकर पटवारी ने भाजपा को घेरा

बिगड़ती कानून व्यवस्था, प्रशासनिक विफलताओं पर लगाए आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 मई. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सतना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए.

पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा विधायकों, मंत्रियों और उनके समर्थकों को मनमानी करने तथा अधिकारियों को डराने-धमकाने की खुली छूट दे दी गई है. उन्होंने शिवपुरी के भाजपा विधायक प्रीतम लोधी से जुड़े हालिया विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारी अधिकारियों के साथ धमकी और अभद्र भाषा का प्रयोग सत्ता पक्ष की कार्यशैली को दर्शाता है.

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब 'जंगलराज' का पर्याय बन चुका है और प्रदेश की स्थिति अब बिहार तथा उत्तरप्रदेश जैसी दिखाई देने लगी है. पटवारी के अनुसार अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो चुका है जबकि सरकार मूकदर्शक बनी हुई है. कांग्रेस नेता ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप देने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में शायद ही कोई ऐसा सरकारी कार्यालय बचा हो जहां बिना रिश्वत के आम जनता का काम होता हो. उन्होंने सतना और रीवा संभाग के पत्रकारों को चुनौती देते हुए कहा कि यदि कोई ऐसा कार्यालय मिले जहां भ्रष्टाचार न हो तो कांग्रेस उसका सार्वजनिक सम्मान करेगी.

> हालिया एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देते हुए पटवारी ने दावा किया कि देश में दर्ज कुल अपराधों में 32 प्रतिशत मामले मध्यप्रदेश से जुड़े हैं. उन्होंने महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और बुजुर्गों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता जताते हुए सरकार से तत्काल कठोर कार्रवाई और जवाबदेही तय करने की मांग की.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60